भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3896

जिसका उत्तर 11 दिसम्बर, 2019 को दिया जाना है

नई कोयला खानों को खोलना

3896. श्री नकुल के॰ नाथः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दो कोयला खानों को खोलने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या ये खानें खुले मुहाने वाली होंगी या भूमिगत होगी;

(ग) क्या उक्त खानों को खोलने से रोजगार सृजन होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार भूमिगत खनन की योजना बना रही है; और

(ङ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मशीनीकृत खनन के कारण भूमिगत खनन से रोजगार सृजन नहीं होगा और इससे केवल कोयला कंपनी, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को ही लाभ होगा और यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) तथा (ख): जी हां। डब्ल्यूसीएल मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दो भूमिगत (यूजी) कोयला खान खोलने की योजना बना रही है अर्थातः

1. शारदा यूजी, कान्हां क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल
2. धनकासा यूजी, पेंच क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल

(ग): जी हां। उपर्युक्त खानों के खुलने से रोजगार का सृजन होगा। धनकासा यूजी खान की अनुमोदित परियोजना रिपोर्ट के अनुसार इसके प्रचालन से 490 लोगों तथा शारदा यूजी खान के प्रचालन से 547 लोगों की आवश्यकता होने का अनुमान है। दोनों खानों के लिए जनशक्ति की पूर्ति डब्ल्यूसीएल के आंतरित संसाधनों से की जाएगी।

(घ): जी हां, इन खानों में भूमिगत पद्धति से कार्य करने हेतु योजना बनाई गई है।

(ड़): भूमिगत खनन में, कंपनी जनशक्ति में रोजगार सृजन के अलावा, कोयला कंपनी की पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आरएण्डआर) नीति के विभिन्न प्रावधानों के अनुसार भी रोजगार का सृजन होगा।

****